1. 'ज्योतिष प्रवेश' प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम

- शिक्षण + परीक्षा शुल्क ₹2000/-
- अवधि : 3 माह (कक्षा सप्ताह में 3 दिन)
- समय : सायम् (6.00 बजे उपरान्त)
- न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता : 10 (सेकण्डरी)
- रजिस्ट्रेशन लिंक -
- सम्पर्क सूत्र संयोजक डॉ. कैलाशचन्द्र शर्मा

2. 'वास्तु प्रवेश' प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

- शिक्षण + परीक्षा शुल्क ₹2000/-
- अवधि : 3 माह (सप्ताह में 3 दिन कक्षा)
- समय : सायम् (6.00 बजे उपरान्त)
- न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता : 10 (सेकण्डरी)
- रजिस्ट्रेशन लिंक :
- सम्पर्क सूत्र संयोजक : डॉ. शिवाकान्त मिश्र

3. 'मेडिकल एस्ट्रोलोजी' डिप्लोमा कोर्स (6 माह)

- शिक्षण शुल्क 5000/- • परीक्षा शुल्क ₹2000/-
- अवधि : 6 माह (प्रति सप्ताह 3 दिन कक्षा
- समय : सायम् (6.00 बजे उपरान्त)
- न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता : 10+2 कक्षा।
- रजिस्ट्रेशन लिंक :
- सम्पर्क सूत्र संयोजक : डॉ. विनोद कुमार शर्मा (विभागाध्यक्ष)

प्रस्तावित नियम :-

1. उपरोक्त तीनों पाठ्यक्रम सप्ताह में तीन दिन की संचालित होंगे।
2. तीनों पाठ्यक्रम पूर्णतः स्ववित्तपोषित तथा ONLINE संचालित रहेंगे।
3. तीनों पाठ्यक्रमों का समन्वयक डॉ. विनोद कुमार शर्मा रहेंगे।
4. पाठ्यक्रम समाप्ति पर ऑनलाइन एग्जाम रहेगा। न्यूनतम उत्तीर्णांक 36% प्रतिशत।
5. उत्तीर्ण प्रतिभागियों को समन्वयक व संयोजक द्वारा हस्ताक्षरित प्रमाणपत्र देय।
6. पाठ्यक्रम शुल्क में किसी भी वर्ग / स्टाफ सदस्य / नियमित छात्र को छूट देय नहीं।
7. शुल्क जमा - मानदेय निर्गमित वि.वि. अकाउण्ट से ही रहेगा।
8. पाठ्यक्रम समाप्ति के 15 दिवस में ही परीक्षा / मूल्यांकन / परिणाम सम्पन्न होवें।
9. पाठ्यक्रम संचालन समय / शिक्षक पैनल / शिक्षक चयन / अध्यापन / परीक्षक पैनल / मूल्यांकन / कक्षा समय परिवर्तन आदि मा. कुलपति महोदया से यथानुसार संयोजक तय कर लेंगे।
10. पाठ्यक्रमों के सन्दर्भ में मा. कुलपति महोदया का निर्णय अंतिम व सर्वमान्य होगा।

अनुमानित व्यय विवरण

- शिक्षक मानदेय 500/- प्रति कार्यदिवस।
- व्याख्यानकर्ता मानदेय 1000/- प्रति व्याख्यान।
- संयोजक मानदेय ₹00/- प्रति कार्यदिवस।
- तकनीकी सहायक मानदेय ₹00/- प्रति कार्यदिवस।
- परीक्षा / मूल्यांकन / प्रमाणपत्र निर्गमन इत्यादि (नियमानुसार)

उपरोक्तानुसार प्रस्ताव (तीनों पाठ्यक्रमों की विषयवस्तु के साथ में संलग्न) माननीया कुलपति महोदया के अवलोकनार्थ, तत्पश्चात् अनुमोदनार्थ सादर ससम्मान सेवार्पित है—

30/5/2020

(डॉ० विनोद कुमार शर्मा)
विभागाध्यक्ष, ज्योतिषविभाग

निदेशक, शैक्षणिकपरिसर
मा. कुलसचिव महोदया

Scanned with CamScanner

1. "ज्योतिष प्रवेश" प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम (ON LINE)

▣ पाठ्यक्रम : — डॉ० विनोद कुमार शर्मा (विभागाध्यक्ष) ज्योतिष विभाग.

(i) इकाई प्रथम :-
1. ज्योतिष शास्त्र का परिचय, परिभाषा।
2. सिद्धांत, संहिता, होरा स्कन्धत्रय का सामान्य परिचय।
3. स्कन्धत्रय के प्रतिपाद्य विषय।
4. संवत्सर, अयन, ऋतु, मास, पक्ष, तिथि, वार, नक्षत्र, योग, करण।
5. तिथि, वार आदि 5 अंगों का साधन।

(ii) इकाई द्वितीय :-
1. द्वादश राशियां, नाम, स्वरूप, राशिस्वामी।
2. ग्रहों के नाम, स्वरूप, उच्चनीच, मूल त्रिकोण, ग्रहदृष्टि।
3. द्वादशभाव, केन्द्रादि संज्ञा, विचारणीय विषय।
4. भावों के कारक ग्रह।
5. ग्रह मैत्री (नैसर्गिक० तात्कालिक. पँचधा मैत्रियाँ)।

(iii) इकाई तृतीय :-
1. इष्टकाल साधन।
2. भयात-भभोग साधन।
3. लग्न कुण्डली-चन्द्र कुण्डली-प्रश्न कुण्डली साधन।
4. वर्षकुण्डली साधन।
5. ग्रह स्पष्ट, द्वादशभाव स्पष्ट, चलित कुण्डली।

(iv) इकाई चतुर्थ :-
1. विंशोत्तरी दशा
2. अष्टोत्तरी दशा
3. योगिनी दशा
4. मुद्दा दशा
5. मुंथा साधन

(v) इकाई पँचम :-
1. वर्ष के राजा, मंत्री आदि का ज्ञान व फल।
2. विविध योग (पंचमहापुरुष, राजयोग, विद्या, व्यवसाय, विवाह, संतति, स्वास्थ्य)।
3. व्रतोत्सव सामान्य ज्ञान (रामनवमी, दीपावली, गणेश चतुर्थी, नवरात्रस्थापना, होलिकादहन, होलाष्टक, अक्षयतृतीया)।
4. ध्रुवादि नक्षत्र संज्ञा, उनमें करणीय कार्य।
5. सामान्य मुहूर्त ज्ञान (गेहारम्भ, गृहप्रवेश, यात्रा, व्यवसाय, विवाह, वास्तुशान्ति, उपनयन, कूपनिर्माण)।

◎ सन्दर्भग्रन्थ 1. भारतीय कुण्डली विज्ञान (मीठालाल ओझा) 2. पंचांगविज्ञान 3. शीघ्रबोध 4. मुहूर्तचिन्तामणि 5. ताजिक नीलकण्ठी।

◎ परीक्षा-योजना :- 1. प्रत्येक इकाई से 10-10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न 2-2 अंक के प्रष्टव्य।
2. न्यूनतम उत्तीर्णांक 36 रहेंगे।

उपरोक्तानुसार माननीया के अवलोकनार्थ/अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है-

माननीया कुलपति महोदया

[signature] 8/10/2020

Scanned with CamScanner

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

२. "वास्तु प्रवेश" प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम (ON LINE)

— डॉ० विनोद कुमार शर्मा (विभागाध्यक्ष) ज्योतिष विभाग.

▣ पाठ्यक्रम :-

(i) इकाई प्रथम :-

1. वास्तुशास्त्र का परिचय, महत्व, उपयोगिता।
2. वास्तु पुरुष का स्वरूप।
3. भूमि की शुभ-अशुभ आकृतियाँ व फल।
4. वास्तुरचना में पर्यावरण की उपादेयता।
5. वास्तु में दिशा, कोण, भूमिप्रकृति, वर्णादि का महत्व।

(ii) इकाई द्वितीय :-

1. भूमि के प्रकार व फल। ब्राह्मणादि भूमि के प्रकार।
2. भूमि परीक्षण की शास्त्रीय विधियाँ।
3. भूमि प्लव और उसका फल।
4. भूमिशोधन।
5. काकिणी साधन।

(iii) इकाई तृतीय :-

1. गृह निर्माण का प्रयोजन।
2. विविध कक्षों के निर्माण का सिद्धान्त।
3. वास्तुचक्रों का सामान्य परिचय (नवपद, चतुष्षष्टिपद, एकाशीतिपद)।
4. विविध शल्य व शल्योद्धार।
5. गृह में कूप, शुभाशुभ वृक्षों का ज्ञान।

(iv) इकाई चतुर्थ :-

1. व्यावसायिक वास्तु का अर्थ व परिचय।
2. दुकान, शोरूम संरचना।
3. कार्यालय, होटल संरचना।
4. जल प्रबन्धन के सामान्य सिद्धान्त।
5. प्रमुख वास्तुदोष व निराकरण के उपाय।

(v) इकाई पंचम :-

1. गृहनिर्माण मुहूर्त (मास. तिथि. वार. नक्षत्र. पक्ष. लग्न आदि)
2. गृहप्रवेश मुहूर्त
3. वास्तुशान्ति मुहूर्त
4. विपणि-प्रतिष्ठान-वाणिज्य मुहूर्त
5. कूपनिर्माण, जीर्णगृहोद्धार-प्रवेश मुहूर्त

◉ सन्दर्भ ग्रन्थ :- 1. बृहद्वास्तुमाला 2. वास्तुविमर्श 3. वास्तु रत्नावली 4. वास्तुशास्त्र

◉ परीक्षा योजना :- 1. प्रत्येक इकाई से 10-10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न 2-2 अंक के पूछव्य रहेंगे।
2. न्यूनतम उत्तीर्णांक 36 रहेंगे।

उपरोक्तानुसार माननीया के अवलोकनार्थ, पश्चात् अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है।

माननीया कुलपति महोदया

(हस्ताक्षर)
8/5/2020

Scanned with CamScanner

जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर

3. मेडिकल एस्ट्रोलोजी डिप्लोमा कोर्स (6 माह)

1. प्रथम प्रश्नपत्र (50 अंक सैद्धान्तिक + 50 अंक प्रोजेक्ट वर्क)

इकाई I (10 अंक)
1. ज्योतिष शास्त्र का परिचय
2. सिद्धान्त-संहिता-होरा स्कन्धों के प्रतिपाद्य विषय
3. संवत्सर, अयन, ऋतु, मास, पक्ष, तिथि, वार, नक्षत्र, योग, करण परिचय।

इकाई II (10 अंक)
1. 'चिकित्सा ज्योतिष' का शाब्दिक अर्थ एवं परिचय
2. चिकित्सा ज्योतिष का स्वरूप एवं क्षेत्र
3. ज्योतिष और आयुर्वेद का परस्पर सम्बन्ध

इकाई III (10 अंक)
1. द्वादश राशि परिचय (गुण, धर्म, धातु, प्रकृति, स्वभाव आदि)
2. ग्रह परिचय (गुण धर्म, स्वभाव, उच्चनीच, मूलत्रिकोण, शुद्धबुद्धि)
3. द्वादशभाव परिचय (केन्द्रादि संज्ञा, प्रतिपाद्यविषय, कारक आदि)

इकाई IV (10 अंक)
1. जन्मकुण्डली साधन विधि
2. षोडशवर्ग साधन विधि
3. दशा साधन (विंशोत्तरी, अष्टोत्तरी)

इकाई V (10 अंक)
1. ग्रहमैत्री (नैसर्गिक, तात्कालिक, पंचधा मैत्री)
2. वर्षकुण्डली साधन
3. मुंथा साधन

प्रोजेक्ट वर्क (50 अंक)

---

2. द्वितीय प्रश्नपत्र (50 अंक सैद्धान्तिक + 50 अंक प्रोजेक्ट वर्क)

इकाई I (10 अंक)
1. यद्राश्याधारित कालपुरुष
2. भात् नक्षत्राधारित कालपुरुष
3. द्रेष्काण आधारित कालपुरुष

इकाई II (10 अंक)
1. ग्रह-राशि-नक्षत्र-भावानुसार रोगविचार
2. एनोटोमी द्वारा अंग विचार
3. शरीर के अवयवों की कार्यविधि का अध्ययन व रोगोत्पत्ति की संभावना।

इकाई III (10 अंक)
1. आयु विचार की विधि
2. कुण्डली द्वारा रोगविचार के सिद्धान्त
3. प्रमुख रोगों के ज्योतिषीय व चिकित्सकीय कारण (प्रमुख रोग- कैंसर, मस्तिष्क, लीवर, किडनी, अस्थमा, क्षयरोग)

इकाई IV (10 अंक)
1. षोडशवर्गों से फल व रोगोत्पत्ति का विचार।

इकाई V (10 अंक)
1. रोगोपचार में ज्योतिषीय उपाय
2. रोगोपचार में चिकित्सकीय उपाय
3. वैश्विक आपदा- महामारियों के कारण व निवारणोपाय।

प्रोजेक्ट वर्क (50 अंक)

माननीय कुलपति महोदया